कक्षा 11 Home Science

अभ्यास प्रश्न पत्र **(Practice paper)**

अंक योजना (Marking Scheme)

क्रमांक	खंड - क (वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न)	अंक
1.	(c.) स्व	1
2.	(c) प्यूबर्टी	1
3.	(d) उपरोक्त सभी	1
4.	(b) आकर बढ़ा सकते हैं	1
5.	(d) हिमाचल प्रदेश	1
6.	(b) रीठा शिकाकाई	1
7.	यौन परिपक्वता का	1
8.	पारंपरिक	1
9.	रंग तथा गंध	½ +½
10.	विटामिन K	1
11.	खनिज धब्बा	1
12.	उत्तरजीविता	1
13.	(C) , अभिकथन(A) सही लेकिन कारण(R) गलत है।	1

14.	**(A) अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण (R),अभिकथन की सही व्याख्या है** Assertion (A) and reason(R) both are correct and the reason(R) is the correct explanation of the assertion(A).	1
15.	**(D) अभिकथन(A) गलत है किंतु कारण (R) सही है ।** Assertion (A) is incorrect but reason (R) is correct .	1
	खंड ख (Section B) **अति लघु उत्तरीय प्रश्न** Very short answer type questions	
16.	• आहार संबंधी आदतों का विकास होता है । • बच्चों की वृद्धि और विकास के विषय में जानकारी मिलती है । • मानवीय और भौतिक संसाधनों को अच्छी प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है । (कोई दो) अथवा • आज के परिवेश में महिलाएं एवं पुरुष समान रूप से घर तथा परिवार की जिम्मेदारी निभाते हैं । • गृह विज्ञान दोनों के भावी जीवन की नींव रखता है • यह छात्राओं तथा छात्रों दोनों के ही अंतर्वैयक्तिक कौशलों को निखारता है । • इस विषय के पाठ्यक्रम में छात्रों तथा छात्राओं, दोनों के बहुआयामी विकास तथा व्यक्तितत्व को निखारने पर विशेष ध्यान	1 +1

	दिया जाता है । (कोई दो)	
17.	• **किशोरावस्था के द्वारा स्वयं में कई विरोधाभास होते हैं । अतः किशोर स्वयं के बारे में जब यह बता सके कि- ‘ मैं शांत हूं लेकिन सरलता से विचलित हो जाता हूं ’ या फिर ‘ मैं शांत हूं पर बातूनी भी हूं ’ ।**	1 X 2
18.	परिसज्जा दो प्रकार की होती है- • आधारभूत परिसज्जाएं जैसे शुद्धिकरण ,टेंटरिंग आदि • विशिष्ट परिसज्जाएं जैसे मरसेरीजिंग,सैनफोराइजिंग आदि अथवा • वे रेशे जिनमें आवश्यकतानुसार भौतिक और रासायनिक संरचना तथा गुणों में परिवर्तन करके बनाया जाता है मानव निर्मित रेशे कहलाते हैं । • जैसे रेयॉन ।	1 + 1

19	आधुनिक संचार तकनीक के चार उदाहरण निम्न है- • कंप्यूटर • ई-मेल	½ X 4

	• उपग्रह • दूर सम्मेलन	
20.	कम से कम समय में योजनाबद्ध तरीके से अधिक से अधिक व अच्छा कार्य करना समय प्रबंधन कहलाता है। समय प्रबंधन का सिद्धांत है - व्यस्त होने की बजाय परिणाम पर ध्यान देना।	1X2
21	विकास के विभिन्न आयाम हैं - • शारीरिक विकास • भावनात्मक विकास • क्रियात्मक विकास • संज्ञानात्मक विकास • भाषा विकास • सामाजिक विकास	2
22.	**हम कपड़े निम्न कारणों से पहनते हैं-** • **शालीनता या मर्यादा के लिए** • **सुरक्षा के लिए** • **सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए** • **श्रृंगार के लिए**	½ X 4
	खंड -ग (Section C) **लघु उत्तरात्मक प्रश्न** **Short answer type questions**	
	भोजन संबंधित व्यवहार को	1+1+1

	प्रभावित करने वाले कारक हैं - 1. **परिवार का स्वरूप** 2. **पोषण संबंधी ज्ञान** 3. **पालन पोषण के तरीके** 4. **मित्रों का प्रभाव** 5. **बाजार में तैयार खाद्य पदार्थों की उपलब्धता (किन्हीं तीन का संक्षिप्त में वर्णन)**	
24.	1. **संसाधनों के प्रबंधन का अर्थ है - उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना l इसकी आवश्यकता निम्न कारणों से है-** 1. परिवार का जीवन स्तर बढ़ाने के लिए 2. उत्तम जीवन मूल्यों का निर्माण करने के लिए 3. साधनों को पहचानने तथा उचित उपयोग के लिए 4. लक्ष्यों को निर्धारण और नियंत्रित करने के लिए अथवा	1 + ½ X 2 1+1+1

	• **प्राकृतिक संसाधन प्रकृति द्वारा प्राप्त होते हैं, और सामुदायिक संसाधनों का निर्माण मानव करता है।** • **प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से धरती को खतरा हो सकता है जबकि सामुदायिक संसाधनों का दोहन समाज के लिए खतरा होता है।** • **जल ,पहाड़ ,वायु इत्यादि प्राकृतिक संसाधन के उदाहरण हैं यह सभी के लिए उपलब्ध होते हैं ।** • **सड़कें,पार्क , डाकघर डॉक्टर आदि सामुदायिक संसाधनों के कुछ उदाहरण है ।**	
25.	**अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य के प्रमुख लक्षण-** • **हडड़िया मजबूत होती है ।** • **मांसपेशियां मजबूत और सुदृढ़ होती है** • **त्वचा चिकनी, कोमल और चमकदार होती है ।** • **रोग मुक्त शरीर ।**	½ X 6

	कद और भार उम्र के अनुरुप होता है । **व्यक्ति प्रसन्नचित्त रहता है ।**	
26.	**पंजाब की कशीदाकारी फुलकारी कहलाती है।** **यह मुख्यत घर की महिलाओं द्वारा की जाती है।** **हाथ से बुने हुए मोटे सूती खददर पर की जाती है।** **रेशमी धागा जिसे पट कहते हैं उसका प्रयोग होता है।** **बाग और फुलकारी पंजाब की प्रमुख कशीदाकारी है।** **थीरमा , दर्शन द्वार ,तिल पत्र तथा वड़ी दा बाग इसके प्रमुख उदाहरण है ।**	1 + ½ X 2
27.	**विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के कपड़ों का चयन-** **उसकी अक्षमता के प्रकार और उससे संबंधित कठिनाइयों के अनुसार होना चाहिए ।** **पहनने में सरल होना चाहिए ।**	½ X 6

	3. धोने में आसान होना चाहिए I 4. खुला हुआ भाग आसानी से खोलने लायक और बाधंने में सरल होना चाहिए I 5. गला बड़ा हो और कमर की बेल्ट इलास्टिक वाली हो I 6. चुना गया परिधान मजबूत हो ताकि यह चिकित्सा संबंधी उपकरण या व्हील चेयर का प्रयोग करने पर भी ना फटे I	
28.	मौद्रिक आय बढ़ाने के सुझाव- • पारिवारिक आय में वृद्धि करके • समय का उचित उपयोग करके • बचत किए गए धन का उचित प्रयोग करके • उपलब्ध आई का मितव्ययिता पूर्वक व्यय करके • पारिवारिक बजट बनाकर • मानवीय साधनों का विकास करके। अथवा	½ X 6

	निवेश के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं- ● **पूंजी में वृद्धि होती है** ● **छोटे-छोटे निवेशों से बड़े आर्थिक लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकते हैं।** ● **निवेश की योजनाओं से जुड़कर आयकर से बचा जा सकता है।** ● **जीवन सरल होता है।** ● **चिंताओं से मुक्ति मिलती है।** ● **भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है।**	½ X 6
29.	● ड्राई क्लीनिंग अर्थात शुष्क धुलाई। ● **गैर जलीय माध्यम में कपड़े की सफाई की प्रक्रिया को ड्राई क्लीनिंग कहते हैं।** ● **यह नाजुक वस्त्रों को साफ करने की एक सुरक्षित विधि है।** ● **आमतौर पर यह प्रक्रिया व्यावसायिक स्तर पर औद्योगिक इकाइयों में ही की जाती है ना की**	½ X 6

	घरेलू स्तर पर। • सर्वाधिक सामान्य रूप से ड्राई क्लीनिंग के लिए पर-क्लोरो एथिलीन तथा पेट्रोलियम विलायकों का प्रयोग किया जाता है। • जो धब्बे सामान्य धुलाई से नहीं निकलते वह अक्सर ड्राई क्लीन द्वारा निकल जाते हैं।	
	खंड घ - (Section D) **दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न** Long answer type questions	
30.	विवेक पूर्ण व्यय के पांच सिद्धांत हैं- • मूलधन की सुरक्षा • तरलता • सुलभ पहुंच तथा सुविधा • समयअवधि • निवेश उपरांत सेवा • प्रति लाभ की तर्कसंगत दर (प्रत्येक का उचित वर्णन) अथवा धन के विवेक पूर्ण उपयोग के लिए वित्तीय नीतियों का निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया वित्तीय नियोजन	1+1+1+1+1 2+1+1+1

	कहलाती है। इसके लाभ इस प्रकार हैं- • **ऋण लेने की परिस्थिति से बचा जा सकता है** • **आय का कुछ अंश भावी उपयोग के लिए बचाया जा सकता है।** • **गैर जरूरी सेवाओं पर धन खर्च करने से बचा जा सकता है।**	
31.	**किशोरावस्था में उत्पन्न होने वाले खान-पान संबंधी प्रमुख विकृतियों हैं-** • **एनोरेक्सिया नर्वोसा** • **बुलिमिया** **(दोनों के कारणों तथा लक्षणों का उचित वर्णन)** **अथवा** **दूध के अलावा जो अन्य खाद्य पदार्थ शिशु को दिए जाते हैं वह पूरक आहार कहलाते हैं। चार से 6 महीने का समय पूरक आहार आरंभ करने का उचित समय**	2½+2½ 2+1+1+1

	माना गया है पूरक आहार देने में देर की जाए तो कुपोषण होने का भय रहता है। पूरक आहार तीन प्रकार का होता है - 1. तरल पूरक आहार 2. ठोस पूरक आहार मसला हुआ 3. ठोस पूरक आहार बगैर मसला हुआ (तीनों प्रकारों का उचित वर्णन)	